



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 475]
No. 475]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 6, 1988/भाद्र 15, 1910
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 6, 1988/BHADRA 15, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विश्व मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1988

अधसूचना

भाय-कर

सा.का.नि. 903(अ):—केन्द्रीय सरकार, भाय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 80 गगक की उपधारा (1) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम की "जीवन धारा" और "जीवन अक्षय" योजनाओं

हो, जैसी वे उस निगम द्वारा क्रमशः बीमा नियम, 1939 के नियम 17ग और धारा 26 के साथ पठित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 40ख की उपधारा (1) और उक्त बीमा अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 26 के अधीन बीमा नियंत्रक के पास फाइल की गई है धारा 80गाक के प्रयोजनों के लिए उस निगम की वार्षिक की योजनाओं के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 8100, फा.सं. 142/20/88-टी.पो.एल.]

एन.सी. जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 6th September, 1988.

NOTIFICATION

INCOME-TAX

G.S.R. 903(E) :—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of section 80CCA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "Jeevan Dhara" and "Jeevan Akshay" plans of the Life Insurance Corporation of India, as filed by that Corporation with the Controller of Insurance under sub-section (1) of section 40B of the Insurance Act, 1938 read with rule 17C of the Insurance Rules, 1939 and section 26, read with sub-section (2) of section 3, of the said Insurance Act, respectively, as the annuity plans of that Corporation for the purposes of section 80CCA.

[No. 8100, F. No. 142/20/88-TPL]

N. C. JAIN, Jt. Secy.